सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 340 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 17 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

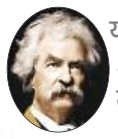

यदि आप सच कहते हैं, तो आपको कुछ याद रखने की जरूरत नहीं रहती।
-मार्क ट्वेन

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम में... 7 | बिहार में फिर होगा 'आया राम... 3 | आर्ट, यूजिक और कल्चर में भेदभाव... 2

बीएमसी चुनाव के नतीजों के बाद फिर लगा भाजपा पर सियासी दाग!

शिवसेना-यूबीटी ने बीजेपी पर किए तीखे प्रहार

» जयचंद की मेहरबानी से बन रहा है पहली बार बीजेपी का मेयर : राउत

» राज ठाकरे दहाड़े -यह लड़ाई अब सड़कों, गलियों और मराठी अस्मिता की नसों में उतरेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बीएमसी चुनाव के नतीजे सामाने आ चुके हैं और तय हो चुका है कि मुंबई का अगला मेयर बीजेपी से होगा। ऐसा पहली बार हो रहा है जब बीएमसी मेयर की कुर्सी पर बीजेपी का मेयर बैठेगा। 227 वार्डों वाले इस महानगर में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। अभी तक बीएमसी पर ठाकरे परिवार का कब्जा रहा है।

सरकार किसी कि हो, मुख्यमंत्री कोई भी हो लेकिन बीएमसी की सरकार ठाकरे परिवार ही चला रहा था। बीएमसी नतीजो पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा है कि एकनाथ शिंदे जयचंद न बनते तो मुंबई में भाजपा का मेयर कभी नहीं बनता। वहीं राज ठाकरे के भी नतीजो पर दहाड़े हैं और कहा है कि कम मतदान, बिखरा विपक्ष और सत्ता के पूरे संसाधनों से लैस मशीनरी यह चुनाव बंदूक ताने खड़े व्यक्ति और निहत्थे नागरिक के बीच हुआ मुकाबला लगता है। उन्होंने जीत की बधाई दी है और हार के कारण पता लगाने के लिए कार्यकर्ताओं से अहवान किया है।

कभी नहीं बनता बीजेपी का मेयर!

यह तय हो जाने के बाद कि अगला मेयर बीजेपी से होगा पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत का दर्द छलक उठा है। उन्होंने एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए उन्हें जयचंद बताया है। संजय राउत ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि अगर एकनाथ शिंदे शिवसेना का जयचंद नहीं बनते तो मुंबई में बीजेपी का मेयर कभी नही बनता। मराठी जनता शिंदे को जयचंद के तौर पर याद रखेगी। संजय राउत ने शिवसेना के साथ विश्वासघात करने पर एकनाथ शिंदे को जयचंद का नाम दिया है जिसके इतिहास में सबसे बड़े धोखे के तौर पर जाना जाता है। शिवसेना का बीएमसी की सत्ता पर साल 1997 से 2022 तक लगातार कब्जा रहा है। लेकिन 25 साल बाद बीजेपी गठबंधन ने उन्हें बीएमसी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

"एकनाथ शिंदे शिवसेना का जयचंद नहीं बनते तो मुंबई में बीजेपी का मेयर कभी नही बनता"

कैसे जीती बीजेपी बीएमसी चुनाव?

बीएमसी चुनाव में बीजेपी की जीत कोई अचानक हुआ चमत्कार नहीं है। बल्कि यह कई सालों से बुनी जा रही रणनीति का अंतिम परिणाम है। 227 वार्डों वाली देश की सबसे अमीर नगर पालिका को सिर्फ नारों से नहीं जीता जा सकता। इसके लिए संगठन, गठजोड़, जमीनी मैनेजमेंट और नाराज लोगों को साधने की कला चाहिए और बीजेपी ने यही किया। सबसे पहला और निर्णायक फैक्टर रहा एकनाथ शिंदे गुट के साथ गठजोड़। 2022 में शिवसेना टूटने के बाद बीजेपी ने यह समझ लिया था कि मुंबई में मराठी वोट को सीधे कुचलना संभव नहीं है उसे तोड़ा और बांटा जा सकता है। शिंदे गुट ने वही काम किया। उद्धव ठाकरे के पारंपरिक शिवसैनिक वोट बैंक में सेंध लगाई। नतीजा यह हुआ कि शिवसेना का वोट एकमुश्त नहीं रहा बल्कि कई धाराओं में बंट गया।

चुनावी गणित की जीत है : राज ठाकरे

एमएनएस नेता राज ठाकरे बीजेपी की जीत को स्वीकार किया है लेकिन वह झुके नहीं। उन्होंने बयान जारी करते हुए साफ संकेत दिये हैं कि यह लड़ाई खत्म नहीं हुई है अब लड़ाई सड़कों, गलियों और मराठी अस्मिता की नसों में उतरेगी। उन्होंने कहा है कि महायुति को बहुमत मिला जरूर है लेकिन आत्मा नहीं। बीजेपी का मेयर बनना चमत्कार नहीं है बल्कि गणित है। वह गणित जिसमें वोट कम पड़े लेकिन असर ज्यादा दिखाया गया। यह वही हालात हैं जहां जनता बोलती नहीं और सत्ता तय हो जाती है। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा है कि जब आधी मुंबई वोट देने नहीं निकली तब जो जीता वह जनता का प्रतिनिधि नहीं खामोशी का उत्तराधिकारी है।

बड़े चेहरे को आगे नहीं किया बीजेपी ने

चौथा फैक्टर रहा नेतृत्व का विभाजन और कंट्रोल। बीजेपी ने बड़े चेहरों को जरूरत से ज्यादा आगे नहीं किया, ताकि चुनाव स्थानीय लगे। लेकिन पर्दे के पीछे देवेंद्र फडणवीस जैसे नेताओं की रणनीतिक मौजूदगी साफ महसूस की गई। टिकट वितरण से लेकर बागियों को संभालने तक हर कदम पर सख्ती और समझौते का संतुलन रखा गया। पांचवां और निर्णायक कारण रहा कम मतदान। शहरी उदासीनता बीजेपी के पक्ष में गई। जो वोट देने नहीं निकले उन्होंने अनजाने में उस पार्टी का रास्ता साफ किया जिसका कैडर सबसे अनुशासित था। बीजेपी का वोटर घर से निकला विपक्ष का बड़ा हिस्सा घर पर रहा। यह जीत बीजेपी की नहीं बल्कि राजनीतिक गणित, गठजोड़ और संगठनात्मक अनुशासन की जीत है। शिंदे सेना के साथ गठबंधन ने भावनात्मक वोट काटे संगठन ने जमीन जीती और रणनीति ने नतीजा तय किया। बीएमसी अब बीजेपी के पास है और यह सिर्फ सत्ता नहीं मुंबई की राजनीति का कंट्रोल रूम है।

स्थानीय चेहरे को आगे रखने की रणनीति कर गयी काम

दूसरा बड़ा हथियार रहा संगठनात्मक ताकत। बीजेपी ने हर वार्ड में बूथ स्तर तक काम किया। पन्ना प्रमुख, डेटा एनालिसिस, स्थानीय मुद्दों की माइक्रो मैपिंग। यह चुनाव एयर कंडीशन कमरों में नहीं एक्सेल शीट और गली नुक्कड़ों में लड़ा गया। पार्टी ने यह भी सुनिश्चित किया कि हर इलाके में स्थानीय चेहरा आगे रहे जिससे बाहरी पार्टी का आरोप कमजोर पड़े। तीसरा अहम पहलू था नाराज वर्गों को मनाना। व्यापारियों, बिल्डरों, हाउसिंग सोसायटियों और झुग्गी पुनर्वास से जुड़े लोगों से सीधे संवाद किया गया। संदेश साफ था बीएमसी में बीजेपी का मेयर मतलब तेज फैसले कम अड़चनें और सीधी सुनवाई। यह संदेश उन तबकों में गया जो सालों से फाइलों और परमिशन के चक्कर में उलझे थे।

आर्ट, म्यूजिक और कल्चर में भेदभाव न हो : अखिलेश

» एआर रहमान के दावों पर बोले सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम एवं समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव चर्चित संगीतकार एआर रहमान के दावों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अखिलेश यादव ने बातचीत के क्रम में एआर रहमान के ताजा इंटरव्यू पर कहा है कि मैंने उन्हें नहीं सुना है।

हालांकि, मैं एआर रहमान के संगीत का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। उनके गाने रिलीज होने से पहले ही टॉप चार्ट पर रहते थे। जब तक वे लोगों के बीच आते थे, उससे पहले ही उनकी लोकप्रियता उन्हें ऊपर ले आती थी। अपने देश और दुनिया के जाने-माने कलाकार हैं। आर्ट, म्यूजिक और कल्चर के लिए किसी को भेदभाव की नजर से नहीं देखा जाना चाहिए। दरअसल, एआर रहमान ने धर्म की वजह से फिल्म इंडस्ट्री में काम न मिलने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि सत्ता का बदलाव रचनात्मक नहीं रहा है। ऑस्कर विजेता संगीतकार के दावों पर सनसनी मची हुई है।

नवीन पटनायक से मिले सपा प्रमुख

अखिलेश को उड़ीसा के दो दिवसीय दौरे पर भुवनेश्वर पहुंचे। उन्होंने उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से शिष्टाचार भेंट की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अखिलेश वहां 17 जनवरी को सपा के विजन इंडिया पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हम उड़ीसा में पीडीए का पेड़ लगाने आए हैं। एक साल के अंदर वह तीसरी बार यहां आए है।

समाज को तोड़ने और नफरत की राजनीति करती है भाजपा

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का एजेंडा सांप्रदायिक है। भाजपा जब घोषणापत्र के वादे को नहीं पूरा कर पाती है, समाज को तोड़ने और नफरत की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में भाजपा की पोल खुल रही है। समाजवादी पार्टी पूरे देश में हर वर्ग को जोड़ने का काम कर रही है। समाजवादी पार्टी विजन की जनीति करती है। डिवीजन (विभाजन) की राजनीति खत्म हो। सबको जोड़कर एक साथ लेकर चलने की राजनीति हो।

अबू आजमी के गढ़ मानखुर्द में सपा को झटका

मुंबई के नगर निगम में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम सपा से आगे निकल गई है। एआईएमआईएम ने समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के गढ़ मानखुर्द में जीत हासिल की है। यह महाराष्ट्र में सपा के लिए झटका माना जा रहा है। इसी तरह से बीएमसी में जहां एआईएमआईएम को 4 सीटें मिली हैं, वहीं सपा को 1 सीट मिली है।

धर्म और सांप्रदायिकता के कारण कम काम मिलने को गंभीरता से लें : मसूद

उधर इस पूरे मामले पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि धर्म की वजह से अगर किसी चर्चित संगीतकार को काम नहीं मिलता है तो यह चिंता का विषय है। इस विषय पर अब गंभीरता से विचार किए जाने की जरूरत भी उन्होंने जताई। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एआर रहमान के बयान पर केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि अगर कोई ऑस्कर विनर कलाकार धर्म और सांप्रदायिक कारणों के कारण कम काम मिलने की बात कह रहा है, तो इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। धर्म की वजह से अपने ही देश में काम न मिलना बहुत बड़ी चिंता की बात है। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ रही हिंसा की घटनाओं पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि एक तरफ देश में नफरत बढ़ रही है तो दूसरी तरफ विदेश में हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं।

गिद्धों को ठिकाने लगाने से समीक्षा की सार्थकता साबित होगी : रोहिणी आचार्य

» राजद की समीक्षा बैठक को बताया दिखावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी और लालू प्रसाद परिवार से खुद को अलग कर चुकी रोहिणी आचार्य ने किसी का नाम लिए बिना, एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पार्टी नेतृत्व की तीखी आलोचना की। उन्होंने विपक्षी नेताओं की बैठक को दिखावा बताया और नेताओं से आत्मचिंतन और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

रोहिणी आचार्य ने लिखा कि समीक्षा का दिखावा करने से ज्यादा जरूरी खुद आत्म-मंथन करने और जिम्मेदारी लेने की है , अपने इर्द - गिर्द कब्ज़ा जमाए बैठे चिन्हित गिद्धों को ठिकाने लगाने का साहस दिखाने के बाद ही किसी भी प्रकार की समीक्षा की सार्थकता साबित होगी। बाकी तो ये जो पब्लिक है न , वो सब जानती - समझती ही है ..। इससे पहले सोशल मीडिया पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में उन्होंने लिखा कि किसी महान

विरासत को नष्ट करने के लिए बाहरी लोगों की ज़रूरत नहीं है, अपने ही लोग काफी हैं। उनके शब्दों से संकेत मिलता है कि अहंकार और गलत सलाह परिवार के कुछ सदस्यों को उस पहचान को मिटाने के लिए प्रेरित कर रही है जिसने उन्हें पहचान दिलाई। रोहिणी आचार्य ने एक्स पर लिखा कि बड़ी शिद्दत से बनायी और खड़ी की गयी बड़ी विरासत को तहस - नहस करने के लिए परायों की जरूरत नहीं होती, अपने और अपनों के चंद षड्यंत्रकारी नए बने अपने ही काफी होते हैं। हैरानी तो तब होती है , जब जिसकी वजह से पहचान होती है , जिसकी वजह से वजूद होता है , उस पहचान, उस वजूद के निशान को बहकावे में आ कर मिटाने और हटाने पर अपने ही आमादा हो जाते हैं। आचार्य ने कहा कि जब विवेक पर पर्दा पड़ जाता है, अहंकार सिर पर चढ़ जाता है। तब विनाशक ही आँख - नाक और कान बन बुद्धि - विवेक हर लेता है। आरजेडी को चुनावी क्षेत्र में मिली करारी हार के बाद यह विवाद सामने आया है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए ने भारी बहुमत से जीत हासिल की, जबकि आरजेडी 140 से अधिक सीटों में से केवल 25 सीटें ही जीत पाई। भाजपा और जेडीयू को क्रमश: 89 और 85 सीटें मिलीं, वहीं एनडीए गठबंधन ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 200 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया।

मिटने वाली स्याही का उपयोग वोट चोरी का एक और मामला : सिद्धरमैया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मीडिया में आई उन खबरों पर चिंता जताई जिनमें दावा किया गया था कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी)चुनाव के दौरान मतदाताओं की उंगली पर मिटने वाली स्याही लगाई गई थी। उन्होंने इसे 'वोट चोरी का एक और परेशान करने वाला अध्याय' बताया। सिद्धरमैया ने कहा कि लोकतंत्र तभी कायम रह सकता है जब हर वोट की शुचिता बनी रहे।

उन्होंने कहा कि चुनावी सुरक्षा उपायों की विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। सिद्धरमैया ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' आज, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों को लेकर मीडिया में आई खबरें और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि तथाकथित अमिट स्याही को सैनिटाइजर, एसीटोन और अन्य पदार्थों से आसानी से मिटाया जा रहा है, जिससे चुनावी विश्वसनीयता के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं और ये चिंताएं महाराष्ट्र और उससे बाहर भी गूंज रही हैं। उन्होंने कहा, ''यह कोई एकाकी गड़बड़ी नहीं है, बल्कि 'वोट चोरी' की व्यापक कहानी का

एक और परेशान करने वाला अध्याय है, जहां वास्तविक सवालों का खंडन, टालमटोल या चुप्पी से जवाब दिया जाता है। लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास कम होता जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, बुनियादी सुरक्षा उपायों को कमजोर करना और नागरिकों की चिंताओं को नजरअंदाज करना लोकतंत्र की रक्षा नहीं करता, बल्कि उसे नुकसान पहुंचाता है। निर्वाचन आयोग को अब पारदर्शिता, जवाबदेही और सुधारात्मक उपायों के साथ कार्रवाई करनी चाहिए।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अमिताभ ठाकुर ने लगाया जान से मारने की धमकी का आरोप

» स्वयं अदालत में उपस्थित होने का किया अनुरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देवरिया की जेल में बंद भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया है कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली है और इसके मद्देनजर उन्होंने अपनी जमानत याचिका पर होने वाली सुनवाई में स्वयं अदालत में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

ठाकुर ने शुक्रवार को जनपद न्यायाधीश धनेंद्र प्रताप सिंह की अदालत में आवेदन प्रस्तुत किया और शनिवार को होने वाली जमानत सुनवाई में अदालत में पेश किए जाने का अनुरोध किया। न्यायाधीश ने अमिताभ ठाकुर के इस आवेदन को उनकी जमानत याचिका के साथ प्रस्तुत करने का आदेश दिया। औद्योगिक भूखंड

आवंटन मामले में 10 दिसंबर 2025 से अमिताभ ठाकुर जेल में निरुद्ध हैं।

उनकी जमानत सुनवाई में पहले भी कई बार अड़चनें आई हैं। अर्जी में बताया गया कि ठाकुर के बैरक के बाहर कंप्यूटर से टाइप किया गया एक कागज का नोट मिला, जिसमें अपशब्दों का प्रयोग करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। उनके वकील प्रवीण द्विवेदी ने कहा कि जेल में ठाकुर की सुरक्षा को गंभीर खतरा है। जेल अधीक्षक प्रेम सागर शुक्ला ने बताया कि ठाकुर ने अधिकारियों को बैरक के पास मिले धमकी भरे नोट की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है। अमिताभ ठाकुर की नियमित जमानत और उनकी पत्नी नूतन ठाकुर की अग्रिम जमानत पर शनिवार को सुनवाई होगी। ठाकुर चाहते हैं कि वे स्वयं अदालत में उपस्थित होकर दोनों मामलों पर तर्क प्रस्तुत करें, ताकि कोई तथ्य न छूटें। पुलिस और जेल अधिकारियों ने कहा कि कथित धमकी की जांच के नतीजे के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में फिर होगा 'आया राम, गया राम'

केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की जेडीयू में वापसी को लेकर अटकलें तेज

» कांग्रेस में टूट की चर्चा नीतीश की पार्टी के संपर्क में 6 एमएलए

» कांग्रेस ने भाजपा पर किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नई सरकार बने तीन महीने हो चुके हैं। पर वहां पर उठापटक जारी है। कई पुराने नेता जदयू में आने की कोशिश में लगे हैं जो बिहार में कांग्रेस के सभी छह विधायकों के जेडी(यू) में शामिल होने की अटकलें लग रहीं हैं। हालांकि इसको अफवाह बताया जा रही है। पर पटना में कु छ ऐसी गतिविधियां देखने को मिली जिससे राज्य में पार्टी का विधानसभा से सफाया हो जाने के संकेत मिल रहे हैं।

पार्टी नेताओं की अनुपस्थिति से शुरू हुई इन चर्चाओं ने बिहार की राजनीति में एक बड़ फेरबदल की संभावना पैदा कर दी है, हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष ने इसे अफवाह बताया है। बिहार में कांग्रेस के सभी छह विधायकों के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड में शामिल होने की अफवाहें चल रही हैं। पटना में कांग्रेस द्वारा आयोजित दही चूड़ा समारोह में विधायक मनोहर प्रसाद सिंह (मनिहारी), सुरेंद्र प्रसाद (वाल्मीकि नगर), अभिषेक रंजन (चनपटिया), आबिदुर रहमान (अररिया), मोहम्मद कमरुल होदा (किशनगंज) और मनोज बिस्वान (फारबिसगंज) की अनुपस्थिति के बाद से इस बात की चर्चा तेज हो गई है। वहीं बिहार की राजनीति में हलचल तेज है, क्योंकि पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने जेडीयू में वापसी के संकेत दिए हैं, उन्होंने नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा हम एक हैं।

'हम दो अलग-अलग व्यक्ति नहीं'

ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी से निष्कासित आरसीपी सिंह एक बार फिर नीतीश कुमार के साथ नजर आ सकते हैं। खरमास के बाद जेडीयू में उनकी वापसी की खबरों के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि नीतीश कुमार बिहार के सम्मानित मुख्यमंत्री हैं और राज्य की जनता के बीच लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि आपको क्यों लगता है कि हम दो अलग-अलग व्यक्ति हैं? हम एक हैं। हमने 25 साल साथ काम किया है। क्या कोई उन्हें उतना अच्छी तरह जानता है जितना मैं जानता हूं, या क्या वह किसी को उतना अच्छी तरह जानते हैं जितना मुझे जानते हैं? खरमास के बाद जेडीयू में दोबारा शामिल होने के बारे में सीधे पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, आपको इसके बारे में पता चल जाएगा।

कांग्रेस के सभी छह विधायक संपर्क में

बिहार में कांग्रेस के सभी छह विधायक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू के संपर्क में हैं, जिससे बड़े पैमाने पर दल-बदल की संभावना बढ़ गई है। अगर यह कदम मायने रखता है। यदि यह कदम अमल में आता है, तो आरजेडी के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन का एक प्रमुख घटक कांग्रेस, विधानसभा में एक भी प्रतिनिधि के बिना रह जाएगी। 8 तारीख को पीसीसी अध्यक्ष राजेश राम द्वारा रोजगार सुरक्षा के लिए बुलाई गई बैठक में न तो सुरेंद्र प्रसाद और न ही अभिषेक रंजन उपस्थित हुए।

नीतीश के खिचड़ी भोज में पहुंचे आरसीपी सिंह

कभी नीतीश के सबसे करीबी रहे और बाद में बीजेपी में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह के बयान से उनके अगले राजनीतिक कदम को लेकर सस्पेंस बढ़ गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में संभावित वापसी को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं। आरसीपी सिंह, जिन्हें कभी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिना जाता था, को पहले पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह, दोनों पटेल समुदाय से संबंध रखते हैं, और रविवार को समुदाय द्वारा आयोजित मकर संक्रांति भोज में आमंत्रित थे। हालांकि, दोनों नेता अलग-अलग समय पर पहुंचे और उनकी मुलाकात नहीं हुई। फिर भी, नीतीश कुमार के जाने के बाद आरसीपी सिंह द्वारा की गई टिप्पणियों ने जेडीयू में उनकी वापसी की अटकलों को फिर से हवा दे दी है।

सिंह ने प्रशांत किशोर की जन सूरज पार्टी के साथ हाथ मिलाया था

मई 2024 में, सिंह ने प्रशांत किशोर की जन सूरज पार्टी के साथ हाथ मिलाया था और कुछ ही महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों में अपने पूर्व मार्गदर्शक को चुनौती देने का संकल्प लिया था। जेडीयू से निष्कासित होने के बाद उन्होंने अपनी खुद की पार्टी आप सबकी आवाज भी बनाई थी। बिहार के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके पूर्व नौकरशाह सिंह पार्टी में महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर रहे और कुछ समय के लिए पार्टी के प्रमुख भी रहे। लेकिन 2022 में उन्हें पार्टी छोड़नी पड़ी, जब वे मुख्यमंत्री की नजरों से गिर गए। मुख्यमंत्री ने उन पर बिना अनुमति के केंद्रीय मंत्रिमंडल में पद स्वीकार करने का आरोप लगाया था। बाद में, सिंह ने जेडीयू छोड़कर 2023 में भाजपा में शामिल हो गए।

एनडीए नेता अफवाहें फैला रहे हैं : राजेश राम

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि एनडीए नेता अफवाहें फैला रहे हैं। हालांकि, नीतीश सरकार में एलजेपी मंत्री संजय सिंह ने कहा कि शुभ समय शुरू होने दीजिए। मकर संक्रांति के बाद कांग्रेस में बड़े पैमाने पर दल-बदल होगा क्योंकि पार्टी के सभी विधायक एनडीए में शामिल होने की संभावना है। बिहार विधानमंडल का बजट सत्र दो फरवरी से शुरू होकर 27 फरवरी तक चलेगा, जिसमें कुल 19 बैठकें होंगी।

बंगाल में सियासी बवाल, आई-पीएसी कार्यालय जाने के फैसले पर सवाल

जांच एजेंसी के काम में दखल गंभीर मामला

» भाजपा ने टीएमसी को घेरा सुप्रीम कोर्ट से सीएम ममता को निराशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल में इसी साल विधान सभा चुनाव है। सत्ता में बैठी टीएमसी जीत का चौका लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो गई है। वंही विपक्ष पार्टी बीजेपी भी पीछे नहीं हटना चाहती है। ईडी के आईपैक छापे के बाद राज्य में सियासी वार-पलटवार बढ़ गया है। मामला कोर्ट तक पहुंचा।

हालांकि ममता बनर्जी को झटका लगा है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार को नोटिस जारी किया है और ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश देते हुए कहा कि जांच एजेंसी की काम में पुलिस की दखल का मामला गंभीर है। कोर्ट ने दो हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। साथ ही, ईडी के छापे से जुड़ी सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश दिया। अब इस मामले की सुनवाई 3 फरवरी को होगी। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कोलकाता स्थित राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पीएसी के कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के दौरान कथित हस्तक्षेप को लेकर आलोचना की है।

पुलिस व्यवस्था मुख्यमंत्री के हाथों का औजार : रवि शंकर प्रसाद

भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री के आई-पीएसी कार्यालय जाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह न तो टीएमसी का कार्यालय है और न ही किसी पार्टी नेता का निवास स्थान। प्रसाद ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर कल पुलिस की मौजूदगी में हमला किया गया। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज करने के प्रयासों के बावजूद कोई मामला दर्ज नहीं किया गया और इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की पूरी पुलिस व्यवस्था मुख्यमंत्री के हाथों का औजार बन गई है, और कहा कि राज्य में कानून प्रवर्तन प्रणाली का दुरुपयोग असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है।

डीजीपी राजीव कुमार को निलंबित करने की मांग

सुनवाई से पहले, ईडी ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार को निलंबित करने की मांग की है, जिसमें दावा किया गया है कि उन्होंने और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने जैन के आवास पर तलाशी में बाधा डाली। इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार ने एक आपत्ति दर्ज कराई है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि राजनीतिक सलाहकार कार्यालय पर एजेंसी की छापेमारी के संबंध में उसकी सुनवाई के बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मौत का कारोबार करने वालों पर हत्या का मुकदमा चले

अभी पिछले साल कप सिरप पीने की वजह से कई बच्चे काल के गाल में समा गये थे। तमाम सख्ती के बावजूद कफ सिरप में जहरीले रसायन के इस्तेमाल से बच्चों की जान जा रही हो तो चिंता होना स्वाभाविक है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में पिछले दिनों ऐसे कई मामले सामने आए थे जिनमें कफ सिरप में जहर ने बच्चों को मौत की नींद में सुला दिया था। कु ल मिलाकर इसको रोकने के लिए सख्त कानून सरकारों को बनाना होगा। नकली या अमानक दवाओं से किसी की मौत एक तरह से हत्या का अपराध है। मौत का कारोबार करने वाले दोषियों पर हत्या का मुकदमा क्यों नहीं चलाया जाता? दरअसल, भ्रष्टाचार का जाल इतना गहरा है कि सरकारी अस्पतालों तक में अमानक दवाएं पहुंच रही हैं। दुकानों से लेकर अस्पतालों तक, कमीशन के लालच में मरीज की जान की परवाह नहीं की जाती। दुनिया के दूसरे देशों में नकली दवाओं को लेकर सजा के कठोर प्रावधान हैं। अमानक व मिलावटी दवाओं पर लगाम लगाने के लिए सख्त जांच तंत्र बनाया जाना चाहिए। नियमित जांच के साथ दोषियों पर सख्त कार्रवाई का संदेश देना जरूरी है।

खतरनाक पहलू यह है कि तीन महीने पहले छिंदवाड़ा और बैतूल में जिस कफ सिरप के सेवन से दो दर्जन से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई थी, उसी कंपोजिशन की सिरप मध्यप्रदेश में लगातार बिकती रही। इस सिरप में इंडस्ट्रियल केमिकल एथलीन ग्लायकॉल मिला है जो कोल्ड्रिफ कफ सिरप में भी पाया गया था। लापरवाही का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गाडियों के इंजन को ठंडा रखने वाले कूलेंट में इस्तेमाल होने वाला केमिकल मिला सिरप पूरे प्रदेश में बिकता रहा। तेलंगाना सरकार ने अपने यहां बैन लगाने का नोटिस राज्यों को भेजा, तब जाकर मध्यप्रदेश में इसकी बिक्री पर रोक लगाई गई। मुद्दे की बात यह है कि बच्चों की मौत के बाद भी ऐसी दवाओं पर तुरंत पाबंदी क्यों नहीं लगाई गई? क्या जिम्मेदारों की नजर में मासूमों की जान की कोई कीमत नहीं है? पिछले साल पूरे देश में दर्जनों कफ सिरप में जहरीले रसायन पाए गए, जिनसे मुख्य रूप से बच्चों और कुछ बड़ों की मौत हुई। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा मौतें दर्ज हुईं, जहां एक ही दवा से दो दर्जन से ज्यादा बच्चे मारे गए। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी ऐसे मामले उजागर हुए, लेकिन कार्रवाई नाममात्र की रही। कंपनियां बंद की गईं, कुछ फार्मा कंपनियों के मालिकों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सिस्टम में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। सवाल है कि जांच में सब-कुछ पता चलने के बावजूद कंपनियों पर स्थायी कार्रवाई क्यों नहीं होती?

“ नकली या अमानक दवाओं से किसी की मौत एक तरह से हत्या का अपराध है। मौत का कारोबार करने वाले दोषियों पर हत्या का मुकदमा क्यों नहीं चलाया जाता? दरअसल, भ्रष्टाचार का जाल इतना गहरा है कि सरकारी अस्पतालों तक में अमानक दवाएं पहुंच रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

शिक्षक के सम्मान को महत्व देती नई शिक्षा नीति

डॉ. सुधीर कुमार

शिक्षा किसी भी जीवंत राष्ट्र की वह नींव होती है जिस पर उसकी प्रगति का भव्य महल खड़ा होता है। भारत ने वर्ष 2020 में अपनी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये इसी नींव को आधुनिक, लचीला और वैश्विक बनाने का संकल्प लिया है। अक्सर चर्चाएं केवल छात्रों के पाठ्यक्रम और परीक्षा के पैटर्न पर सिमटकर रह जाती हैं, लेकिन इस महायोजना के केंद्र में सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ शिक्षक है। यह नीति इस सत्य को स्वीकार करती है कि कोई भी सुधार तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसे लागू करने वाला शिक्षक सशक्त, संतुष्ट और सम्मानित महसूस न करे। पुरानी शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ी शिकायत यह रही कि शिक्षक प्रशासनिक कार्यों और जटिल डेटा एंट्री के बोझ तले दबे रहते थे। एनईपी 2020 इस व्यवस्थागत जड़ता को तोड़ने का वादा करती है।

नीति में स्पष्टतया 'रोडमैप' तैयार किया गया है जो शिक्षकों को उन गैर-शैक्षणिक गतिविधियों से मुक्ति दिलाने की बात करता है जो उनके मूल धर्म - पढ़ाने- में बाधा डालते हैं। नीति का मानना है कि शिक्षक की ऊर्जा का निवेश केवल फाइलों में नहीं, बल्कि छात्रों के मस्तिष्क में कौतूहल पैदा करने में होना चाहिए। यह बदलाव शिक्षकों को वह रचनात्मक आजादी देगा, जिसकी वे दशकों से प्रतीक्षा कर रहे थे। अब वे कक्षा में सिर्फ एक तय पुस्तक तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मौलिक नए प्रयोग करेंगे। एक उत्कृष्ट शिक्षक वह है जो हमेशा एक जिज्ञासु 'विद्यार्थी' बना रहता है। नई नीति ने इस विचार को 'नेशनल प्रोफेशनल स्टैंडर्ड्स फॉर टीचर्स' के माध्यम से संस्थागत रूप दिया है। पहली बार भारतीय शिक्षकों के कार्यों का एक ऐसा पैमाना तय किया जा रहा है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की बराबरी करेगा। इससे हमारे शिक्षकों को वैश्विक पहचान मिलेगी। इसके समानांतर, सतत व्यावसायिक विकास के जरिये प्रत्येक शिक्षक को अपनी रुचि अनुसार साल में न्यूनतम 50 घंटे आधुनिक प्रशिक्षण का हक दिया गया है। यह प्रशिक्षण शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और समावेशी शिक्षा जैसे विषयों में पारंगत करने का मंच होगा।

जब शिक्षक का ज्ञान आधुनिक होगा, तो कक्षा में उनका आत्मविश्वास और प्रभाव स्वत: बढ़ जाएगा। एनईपी 2020 शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया में व्यापक सुधार की वकालत करती है। अब शिक्षक भर्ती केवल अंकों की दौड़ तक सीमित नहीं होगी। इसमें साक्षात्कार

और कक्षा में पढ़ाने के प्रत्यक्ष प्रदर्शन को शामिल किया जाना इस पेशे की गंभीरता दर्शाता है। इसका बड़ा लाभ यह कि भविष्य में आपके सहकर्मी वे लोग होंगे जो असल में 'शिक्षण के प्रति जुनूनी' हैं। जब स्टाफरूम में समान विचारधारा वाले और योग्य सहकर्मी होंगे, तो कार्यस्थल संस्कृति में क्रांतिकारी सुधार आएगा।

योग्य सहकर्मी आने से कार्यभार साझा होगा और स्वस्थ शैक्षणिक माहौल बनेगा। भारतीय संस्कृति में अनुभव को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। एनईपी 2020 इसी परंपरा को 'नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग' के माध्यम से पुनर्जीवित कर रही है। यह ऐसा अनूठा सेतु है जो सेवानिवृत्त और अनुभवी शिक्षकों को नए शिक्षकों के साथ जोड़ता है। अक्सर सेवा के बाद शिक्षकों का विशाल अनुभव व्यर्थ चला जाता था, लेकिन अब उन्हें समाज के 'बौद्धिक संरक्षक' के रूप में नई भूमिका मिलेगी। वरिष्ठ शिक्षकों का मार्गदर्शन नए शिक्षकों के लिए सुरक्षा कवच जैसा होगा, जो उन्हें कैरियर की शुरुआती चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा। शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर नयी नीति ने 'मेरिट-आधारित' तंत्र का प्रस्ताव दिया है। अब पदोन्नति का रास्ता केवल वर्षों की सेवा से होकर नहीं गुजरेगा, बल्कि शिक्षक के शोध, नवाचार और छात्रों की प्रगति से तय होगा। यह उन शिक्षकों के लिए स्वर्णिम अवसर है जो अपनी शिक्षण पद्धति बेहतर बनाने में लगे रहते हैं। साथ ही, उच्च शिक्षा में शिक्षकों को लचीली कार्यसंस्कृति मिलेगी। यदि कोई शिक्षक अनुसंधान में उत्कृष्ट है, तो वह उस दिशा में बढ़ सकता है, और यदि किसी का झुकाव अध्यापन की ओर है, तो वह उसमें विशेषज्ञता हासिल करे। अक्सर क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को वह दर्जा नहीं मिलता था जो अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों को मिलता था। एनईपी 2020 ने इस भाषाई भेदभाव को खत्म कर दिया।

नीति ने मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देकर उन शिक्षकों का सम्मान बढ़ाया है जो अपनी मिट्टी की भाषा में ज्ञान देने में माहिर हैं। इसके साथ ही, टेक्नोलॉजी को शिक्षक के 'सहयोगी' के रूप में पेश किया गया है। 'दीक्षा' और 'स्वयं' जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म शिक्षकों को वह कंटेंट और टूल्स दे रहे हैं जिन्हें तैयार करने में पहले घंटों लगते थे। टेक्नोलॉजी उन्हें प्रशासनिक कार्यों से बचाकर वह समय देगी जिसमें वे छात्रों के 'मेंटोर' बन सकें।

बेहतर विमर्श से जीवन संतोषजनक बनाएं

भारत डोगरा

विश्वस्तर पर वृद्धों का जनसंख्या में प्रतिशत बढ़ रहा है और इसके साथ इस बारे में बेहतर विमर्श की जरूरत है कि उनका जीवन स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बन सके। वर्ष 1950 में विश्व का कोई व्यक्ति औसतन 46 वर्ष जीता था तो वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 70 वर्ष तक पहुंच गया। जापान, इटली व स्विट्जरलैंड जैसे कुछ देशों में आज औसत आयु ही 80 वर्ष के पार पहुंच चुकी है। वर्ष 2050 के लिए यह अनुमानित है कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के विश्व में 210 करोड़ लोग होंगे व विश्व की जनसंख्या में उनका हिस्सा 21 प्रतिशत होगा। ऐसे में जरूरी है कि वृद्धावस्था को स्वस्थ व संतोषजनक बनाने के लिए बेहतर प्रयास किए जाएं। इस सोच से प्रेरित होकर विश्व स्तर पर वर्ष 2021-2030 के दशक को स्वस्थ वृद्धावस्था के दशक के रूप में मनाया जा रहा है।

हालांकि वृद्धावस्था को अधिक रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में देखा गया है, पर हाल के समय में इस ओर अधिक महत्व दिया गया है कि समुचित सावधानियां बरत कर, अनुकूल स्थितियां उत्पन्न कर इन रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस तरह वृद्धावस्था को अधिक संतोषजनक व रचनात्मक बनाया जा सकता है। जहां रोग का इलाज जरूरी है वहां यह और भी महत्वपूर्ण है कि नीतिगत व व्यक्तिगत स्तर पर बेहतर कदम उठाकर इन रोगों की संभावना को ही अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सकता है। जहां दुर्घटना होने पर चोट के इलाज की व्यवस्था जरूरी है, वहां यह भी सच है कि कुछ सावधानियां अपना कर चोट लगने की संभावना को ही काफी हद तक कम किया जा सकता है। यदि भारत की स्थिति देखें तो वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 10.3 करोड़ थी व उसका भारत की इस समय की जनसंख्या में 8.6 प्रतिशत का हिस्सा था। वर्ष 2050 के लिए सरकारी स्तर पर अनुमान है कि तब तक 60 वर्ष से अधिक की आयु की जनसंख्या बढ़कर 31.9 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

यह उस समय की भारतीय जनसंख्या का 19.5 प्रतिशत होगा। अब यदि हम अधिक वृद्ध व्यक्तियों यानी 75 वर्ष की आयु से अधिक के व्यक्तियों की बात करें तो वर्ष 2011 और वर्ष 2050 के बीच इनकी संभावित वृद्धि की दर और भी अधिक है। सरकारी स्तर का अनुमान है कि इस दौर में कुल जनसंख्या में इनके हिस्से में 340 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इन स्थितियों को देखते हुए यह विमर्श और जरूरी हो जाता है कि उपलब्ध बजट व अन्य सीमाओं के बीच वृद्धावस्था को अधिक स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बनाया जाए। निश्चय ही सभी वृद्ध लोगों तक समुचित पेंशन पहुंचाना बहुत जरूरी है। इसके साथ उनके स्वस्थ जीवन के लिए अनेक अन्य कदम उठाना भी आवश्यक है। जहां बीमारियों का इलाज व इसकी व्यवस्था आवश्यक है, वहां इससे भी अधिक जरूरी व लाभदायक है कि ऐसी नीतियों व कार्यक्रमों को अपनाया जाए जिनके आधार पर इन बीमारियों की संभावना को अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सके। बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है।

दक्षिण राजस्थान में 'प्रबल यात्रा' कार्यक्रम को इसी सोच के आधार पर तैयार किया गया है व इसे अर्थ संस्था द्वारा लगभग 100 गांवों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले गांवों में वृद्ध नागरिकों को प्रबल यात्रा मंच के सदस्य के रूप में एक मंच पर लाया जाता है व वे हर महीने अपने गांव की एक सामूहिक मीटिंग में मिलते हैं व अपने विभिन्न सरोकारों, मुद्दों, समस्याओं व जीवन के अनुभवों की चर्चा करते हैं। इस आधार पर वे आगे भी ऐसी अगली मीटिंग होने तक, आपस में बेहतर विमर्श कर सकते हैं। ऐसी सामूहिक वार्ता में ऐसे पोषण सुधार की चर्चा होती है जो मौजूदा स्थितियों में वृद्ध लोगों के लिए संभव है। यदि दांत कमजोर होने के कारण कोई कोमल रूप में उपलब्ध खाद्य की जानकारी है, तो उसे एक-दूसरे से बांटा जा सकता है। प्रबल यात्रा कार्यक्रम ने सब्जियों के अधिक उपयोग व घर के पास सब्जी उगाने के लिए सहायता देने को महत्व दिया है।

इस वार्ता में ऐसे साधारण व्यायाम के बारे में चर्चा व अभ्यास भी होता है, जो वृद्ध व्यक्ति आसानी से अपना सकते हैं। परस्पर मिल कर वृद्ध व्यक्ति ऐसे कुछ खेल भी खेलते हैं जिनसे मानसिक सक्रियता बनी रहे या इसमें सुधार हो। विभिन्न परिवारों के सहयोग से उनके घर व आसपास के क्षेत्र का ऐसा आकलन किया जाता है जिससे वृद्ध या अन्य व्यक्तियों के गिरने या दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना को कम किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जरूरतमंद वृद्ध गांववासियों को चश्मा प्राप्त करने, मोतियाबिंद का आप्रेशन करवाने में मदद की जाती है व चलने में सहायता के लिए छड़ी व वॉकर भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं। वृद्ध व्यक्तियों को अस्पताल में जरूरी इलाज करवाने के लिए समुचित सहायता दी जाती है। अनेक वृद्ध व्यक्तियों को नियमित पेंशन व राशन मिल रहे हैं पर यदि किसी को यह सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाई होती है तो इस कार्यक्रम की ओर से उसे सहायता दी जाती है। अन्य सरकारी कार्यक्रमों का लाभ प्राप्त करने में भी सहायता की जाती है। वृद्ध व्यक्तियों के कई तनाव कम हो जाते हैं व उन्हें यह आश्वासन रहता है कि जरूरत पड़ने पर यहां से सहायता मिल सकती है।

स्वस्थ शरीर के लिए सर्दियों में खाएं ये लड्डू

सर्दियों के मौसम में शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं। सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डूओं को जरूर शामिल करें। ये पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। घरों और बाजारों में तिल गुड़ से बनी कई मिठाइयां बनाई जा रही हैं। तिल-गुड़ के लड्डूओं का स्वाद सभी को बहुत पसंद होता है। इन्हें खासतौर पर सर्दियों में बनाया जाता है। तिल और गुड़, दोनों ही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। तिल और गुड़ का लड्डू कैल्शियम से भरपूर होता है। इस लड्डू को खाने से हड्डियो और जोड़ों के दर्द से राहत मिल सकती है। तिल और गुड़ का लड्डू खाने से कैल्शियम की पूर्ति होगी और शरीर के दर्द से निजात मिलेगी।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं। बगैर चीनी के बनने वाले इन लड्डुओं को खाने के लिए आपको सोचना नहीं पड़ेगा। ड्राई फ्रूट्स लड्डू बनाने के लिए खजूर, बादाम, काजू, पिस्ता, अखरोट और किशमिश चाहिए। इसमें कद्दू के बीज समेत दूसरे सीड्स् भी मिलाएं जा सकते हैं। स्वाद बढ़ाने के लिए घी या तेल, थोड़ा सा शहद और और इलायची पाउडर यूज कर सकते हैं। इनमें से अधिकतर चीजें हमें अपने किचन में आसानी से मिल सकती है।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। शरीर में हार्मोनल बैलेंस बनाए रखने के लिए गोंद के लड्डू एक नेचुरल और असरदार नुस्खा साबित हो सकते हैं। एक महीने तक रोजाना गोंद के लड्डू खाने से न सिर्फ आपका पाचन तंत्र मजबूत होता है बल्कि प्रेग्नेंसी के बाद होने वाले हार्मोनल उतार-चढ़ाव को भी कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, पीरियड्स के दौरान होने वाली परेशानियों जैसे कि पेट दर्द और ऐंठन को भी कम किया जा सकता है।

हंसना मना है

एक इंजीनियरिंग कॉलेज के सभी शिक्षकों को एक टूर पर ले जाने के लिए एक हवाई जहाज में बैठाया गया! शिक्षक बैठ गए तो पायलट ने घोषणा की-आप सभी शिक्षकों को यह जान कर खुशी होगी कि यह प्लेन आप ही के कॉलेज के होनहार विद्यार्थियों ने बनाया है! इतना सुनते ही शिक्षक इस डर से नीचे उतर गए कि कहीं उड़ान भरते ही विमान दुर्घटना ग्रस्त ना हो जाए! लेकिन प्रिंसिपल साहब बैठे रहे! यह देख पायलट बोला-सर, सभी टीचर अपने विद्यार्थियों का नाम सुनते ही डर कर उतर गए लेकिन क्या आपको डर नहीं लग रहा है? प्रिंसिपल ने जवाब दिया मुझे अपने कॉलेज के शिक्षकों से भी ज्यादा अपने विद्यार्थी पर भरोसा है। देखना यह प्लेन स्टार्ट ही नहीं होगा?

लड़का: कहां जा रही हो? लड़की: आत्महत्या करने? लड़का: तो इतना मेकअप क्यों किया हुआ है? लड़की : अबे गधे! कल न्यूज पेपर में फोटो आएगी न?

एक ताऊ मरने वाला था घर वालो ने कहा: अब तो भगवान का नाम ले लो, ताऊ बोला: अब क्या नाम लेना, 10-15 मिनिट बाद तो आमना-सामना हो ही जाएगा?

कहानी | चतुर मुर्गा

एक घने जंगल में एक पेड़ पर मुर्गा रहा करता था। वह रोज सुबह सूरज निकलने से पहले उठ जाता था। उठने के बाद वह जंगल में दाना-पानी चुगने के लिए चला जाता था और शाम होने से पहले वापस लौट आता था। उसी जंगल में एक चालाक लोमड़ी भी रहती थी। वह रोज मुर्गे को देखती और सोचती, कितना बड़ा और बढ़िया मुर्गा है। अगर यह मेरे हाथ लग जाए, तो कितना स्वादिष्ट भोजन बन सकता है, लेकिन मुर्गा कभी भी उस लोमड़ी के हाथ नहीं आता था। एक दिन मुर्गे को पकड़ने के लिए लोमड़ी ने एक तरकीब निकाली। वह उस पेड़ के पास गई, जहां मुर्गा रहता था और कहने लगी, अरे ओ मुर्गे भाई! क्या तुम्हें खुशखबरी मिली? जंगल के राजा और हमारे बड़ों ने मिलकर सारे लड़ाई-झगड़े खत्म करने का फैसला किया है। आज से कोई जानवर किसी दूसरे जानवर को नुकसान नहीं पहुंचाएगा। इसी बात पर आओ, नीचे आओ। हम गले लगकर एक दूसरे को बधाई दें। लोमड़ी की यह बात सुनकर मुर्गे ने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और कहा, अरे वाह लोमड़ी बहन, ये तो बहुत अच्छी खबर है। पीछे देखो, शायद इसलिए हमसे मिलने हमारे कुछ और दोस्त भी आ रहे हैं। लोमड़ी ने हैरान हो कर पूछा, दोस्त? कौन दोस्त? मुर्गे ने कहा, अरे वो शिकारी कुत्ते, वो भी अब हमारे दोस्त हैं न? कुत्तों का नाम सुनते ही, लोमड़ी ने न आव देखा न ताव और उनके आने की उल्टी दिशा में दौड़ पड़ी। मुर्गे ने हंसते हुए लोमड़ी से कहा, अरे-अरे लोमड़ी बहन, कहां भाग रही हो? अब तो हम सब दोस्त हैं न? हां-हां दोस्त तो हैं, लेकिन शायद शिकारी कुत्तों को अभी तक यह खबर नहीं मिली है, यह कहते हुए लोमड़ी वहां से भाग निकली और मुर्गे की सूझबूझ की वजह से उसकी जान बच गई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे।

वृषभ

शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। थकान हो सकती है।

सिंह

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु

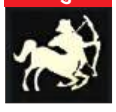

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुम्भ

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

बॉलीवुड | **मन की बात**

फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना : रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मर्दानी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की। 30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट आ गले लग जा का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं। उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था। जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे राजा की आएगी बारात का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। डायरेक्टर को पर्दे पर मेरा काम अच्छा लगा और सलीम अंकल को भी। मेरा चेहरा फोटोजेनिक है। वहीं से मेरी जर्नी शुरू हुई। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा दिखाया, उसी भरोसे की वजह से आज मैं यहां तक पहुंची हूं।

वेलेंटाइन डे पर एक-दूजे के साथ सात फेरे लेंगे धनुष और मृणाल

धनुष का नाम मृणाल ठाकुर के साथ बीते एक साल से जोड़ा जा रहा है। फैंस लंबे वक्त से दोनों के रिलेशनशिप पर मुहर लगाने के इंतजार कर रहे है। हालांकि, इस मामले पर अब तक न तो मृणाल ने कुछ कहा है और न ही खुद धनुष ने कोई बयान दिया।

अब इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों की मानें तो धनुष और मृणाल इस रिश्ते को नया नाम देने की तैयारी कर रहे हैं। फ्री प्रेस जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों इस वेलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी को शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अब तक दोनों ने ही कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। इससे पहले पिछले साल जब मृणाल से एक इंटरव्यू में धनुष के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा था कि वो और धनुष सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

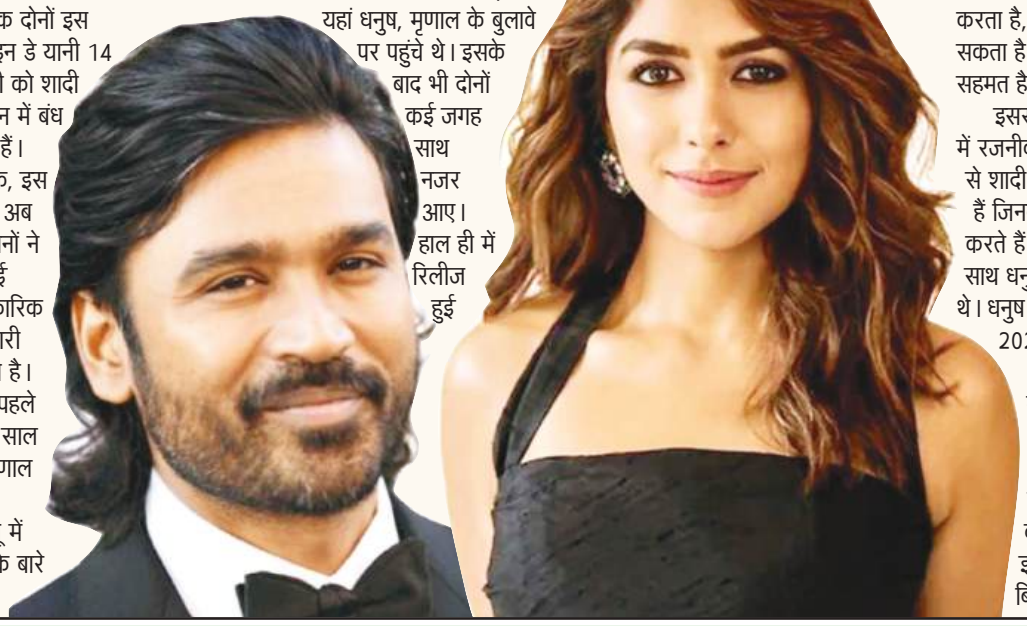

धनुष और मृणाल ठाकुर के डेटिंग की अफवाह फिल्म सन आफ सरदार 2 के प्रीमियर से उड़ी थी। यहां धनुष, मृणाल के बुलावे पर पहुंचे थे। इसके बाद भी दोनों कई जगह साथ नजर आए। हाल ही में रिलीज हुई धनुष की फिल्म तेरे इश्क में की रैप अप पार्टी में भी मृणाल पहुंचीं थीं। एक शो पर इस जोड़े के करीबी सूत्र ने भी ये बताया था कि दोनों डेट कर रहे हैं। सूत्र ने कहा था कि धनुष का परिवार जिस तरह सोशल मीडिया पर मृणाल को फॉलो करता है, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार इस रिश्ते पर सहमत है।

इससे पहले धनुष ने साल 2004 में रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या रजनीकंत से शादी की थी। कपल के दो बच्चे भी हैं जिनकी परवरिश दोनों मिल कर करते हैं। कुछ दिनों पहले ही बेटे के साथ धनुष और ऐश्वर्या दिखाई भी दिए थे। धनुष और ऐश्वर्या का तलाक साल 2024 में हुआ था।

वर्कफ्रंट पर धनुष ने गुरुवार को पोंगल के मौके पर ही अपनी अगली फिल्म करा की घोषणा की है। वहीं मृणाल इन दिनों वरुण धवन के अपोजिट है जवानी तो इश्क होना है की शूटिंग में बिजी हैं।

भूमि पेडनेकर का दिखा बेखौफ अंदाज

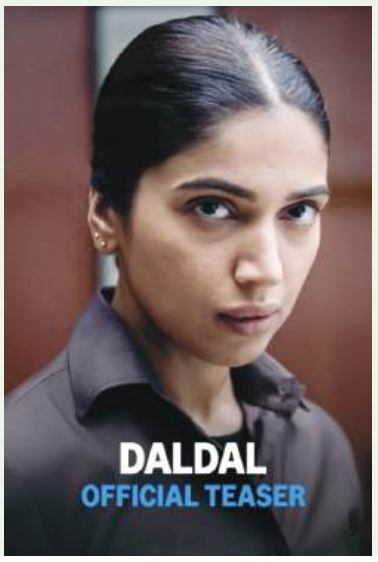

बॉलीवुड | **रिलीज**

दलदल का टीजर रिलीज

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज दलदल के फर्स्ट लुक पोस्टर के बाद निर्माताओं ने इसका दमदार टीजर रिलीज कर दिया है। इसके टीजर को देखकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

वेब सीरीज दलदल का टीजर शुक्रवार रिलीज हुआ। इसके टीजर में भूमि पेडनेकर डीसीपी रीता फरेरा के रूप में एक क्रूर हत्यारे का पीछा करते हुए एक जोखिम भरे खेल में नजर आती है। मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज मुंबई क्राइम ब्रांच की नवनियुक्त डीसीपी रीता फरेरा की कहानी बताती है, जिनका किरदार भूमि सतीश पेडनेकर ने निभाया है। रीता फरेरा को एक बेरहम हत्यारे से लड़ते हुए अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

दलदल सीरीज में भूमि पेडनेकर के अलावा समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। दलदल का प्रीमियर 30 जनवरी को भारत में और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में प्राइम वीडियो पर होगा। बेस्टसेलर किताब भिंडी बाजार पर आधारित दलदल को सुरेश त्रिवेनी ने लिखा है और विक्रम मल्होत्रा और त्रिवेनी ने प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन अमृत राज गुप्ता ने किया है।

अजब-गजब | **बैगा समुदाय जनजाति में शादी की है अनोखी परंपरा**

लड़कियों को प्रपोज करने के लिए पुरुष करते हैं श्रृंगार

बैगा समुदाय में बच्चों की शादी माता-पिता नहीं बल्कि खुद लड़का-लड़की एक दूसरे को पसंद करके, रात भर नाचते-गाते हुए खुद ही शादी तय करते हैं। हालांकि, इसके लिए पुरुषों को श्रृंगार करके लड़कियों के साथ नाचना और गाना होता है तभी लड़की आगे बातचीत के लिए राजी होती है। डिंडोरी के रहने वाले दयाराम राटूरिया बताते हैं कि हम बैगा जनजाति से आते हैं और हमारे यहां लड़का और लड़कियों की शादी एक अनोखी परंपरा से होती है। आज भी ये परंपरा जीवित है।

हमारे गांव में आज भी इस परंपरा को निभाया जाता है। दरअसल बैगा समुदाय में लड़का लड़की एक दूसरे को पसंद करते हैं फिर खुद ही गोत्र, रिश्ता निकाल कर आगे शादी की तिथि निकाल लेते हैं। हमारे समुदाय में लड़का-लड़की की शादी की ये परंपरा सालों पुरानी है। दयाराम बताते हैं कि बैगा समुदाय में जो लड़का और लड़कियों की शादी होती हैं, उसके लिए सबसे जरूरी वेशभूषा होती है। लड़कियों को रिझाने के लिए लड़कों को वेशभूषा पहनना बहुत जरूरी होता है।

लड़कों की इस वेशभूषा में सबसे पहले सिर पर मोर पंख से बनी हुई कलिगी बांधते हैं। माथे पर फेटा बांधा जाता है जिसे पगड़ी कहा जाता है। चांदी के पुराने सिक्कों से बना हवाल पहनते हैं। चांदी की सुतिया पहनते हैं। माला पहनते हैं। साथ ही बिछिया और छिरली भी पहनते हैं। इतना श्रंगार करने के बाद हमारी वेशभूषा कंप्लीट होती है।

अगर हम यह वेशभूषा नहीं पहनते हैं तो लड़कियां हमें छोड़कर भाग जाती हैं और फिर लड़कों से बोलती हैं कि तुम बिना वेशभूषा के ही हमारे साथ नृत्य करने आ गए हो। इसके बाद वह लड़कियां हमसे हेल-मिल यानी बातचीत नहीं करेंगी यानी कि हमसे आगे बात ही नहीं करेंगी। हमारे पास वेश-भूषा में कुछ नहीं रहेगा। वह पूरी वेशभूषा के साथ नाचेंगी और हम ऐसे ही चले जाएंगे तो वह हमें छोड़कर भाग जाएंगी। हमें आगे सौदर यानी बातचीत करने के लिए मौका ही नहीं मिलेगा।

दयाराम बताते हैं की लड़कियों को रिझाने के लिए यह वेशभूषा बहुत जरूरी होती है। पूरी रात इसी वेशभूषा में नृत्य भी करना होता है। हमारे गांव में आज भी इसी वेशभूषा पहनकर लड़का और लड़की एक दूसरे को पसंद करके आगे शादी के रिश्ते की बात करते हैं। ये परंपरा आज भी हमारे गांव में चल रही है।

दयाराम बताते हैं कि हम आपको उदाहरण के लिए समझाते हैं। जैसे आपके खजुराहो की लड़की है और डिंडोरी का लड़का है। डिंडोरी का लड़का खजुराहो आया है तो वह रात भर यहां रुकेगा और यहां की लड़की से हेलमेल(बातचीत) करने के बाद दोनों लोग सरनेम, गोत्र, नाता और रिश्ता निकाल लेंगे। इसके बाद मिलने के लिए आगे की तिथि तय कर लेंगे। इसके बाद एक-दो बार लड़का खजुराहो मिलने आएगा और उसके बाद रिश्ता जुड़ना शुरू हो जाता है। इस तरीके से बैगा समुदाय में लड़का और लड़की खुद ही एक दूसरे को पसंद करके शादी कर लेते हैं।

एक दिन में 100 जिंदा कीड़े खाता है लड़का, पॉपकॉर्न जैसा लगता है स्वाद

दुनिया में कई अलग-अलग किस्म की डिशेज खाई जाती हैं। कुछ इतनी स्वादिष्ट और अनोखी होती हैं कि लोग सिर्फ उसे खाने के लिए दूसरे शहर, राज्य या देश तक पहुंच जाते हैं। पर कई इतनी घिनौनी होती हैं कि आपको उनके बारे में सुनकर ही हैरानी होगी। दरअसल, लोग अपने टेस्ट और पसंद के हिसाब से ही खाना खाते हैं। किसी को छोले-चावल खाना पसंद हो सकता है तो किसी को पिज्जाज्मगर एक लड़के को इन सबसे से बेहद अलग किस्म की डिश पसंद है। ये अमेरिकी लड़का बग यानी कीड़े खाता है। वो भी 1 दिन में 100 कीड़े! उसका कहना है कि इन कीड़ों का स्वाद बटर पॉपकॉर्न जैसा होता है। यही नहीं, उसे कीड़ों का जीभ पर रेंगने का एहसास बहुत अच्छा लगता है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार शिकागो के रहने वाले 26 साल के कार्लोस का टेस्ट बड़ा ही अजीब है। उन्हें कीड़े खाना पसंद है जिन्हें मीलवर्म्स कहते हैं। उन्होंने बताया कि वो डेली 100 मीलवर्म्स चबा जाते हैं। उन्हें कीड़ों का टेस्ट बहुत अच्छा लगता है। जब वो उनके जीभ पर रेंगते हैं, गले में चलते हुए महसूस होते हैं तो वो एहसास बहुत पसंद आता है। इन कीड़ों के टेस्ट के बारे में बताते हुए कार्लोस ने कहा कि वो बटर पॉपकॉर्न जैसे लगते हैं। हाल ही में कार्लोस, अस्र्ट के शो, 'माय स्ट्रेंज एडिक्शन' का हिस्सा भी बने, जिसमें उन्होंने अपने शौक के बारे में बात की। उनका कहना है कि कीड़ों में कॉकरोच भी उन्हें काफी पसंद आते हैं। उनके अंदर का हिस्सा कस्टर्ड जैसा लगता है। कार्लोस यूं तो बेरोजगार हैं, मगर उनकी पार्टनर एश्ली, जिनसे उनकी एक बेटी भी है, इस हरकत के चलते बेहद परेशान रहती हैं। उन्हें कार्लोस की सेहत की चिंता होती है। आपको लग सकता है कि कार्लोस इन कीड़ों को सीधे जमीन से उठाकर खा लेते होंगे। मगर ऐसा नहीं है, वो कीड़ों के लिए 8 डॉलर (722 रुपये) तक खर्च कर दुकान से उन्हें खरीदते हैं। कार्लोस का कहना है कि जब वो छोटे थे, तब से उन्हें कीड़ों खाने की इच्छा होती थी, वो उन्हें टेस्ट कर के देखना चाहते थे। उनकी याददाश्त में सबसे पहले उन्होंने 4 साल की उम्र में कीड़ा खाया था। कार्लोस ने बताया कि वो जिंदा कीड़े इस वजह से खाते हैं क्योंकि उनके अंदर ताकत का एहसास होता है। उन्हें लगता है कि वो उन कीड़ों की किस्मत के मालिक हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जिंदा कीड़े खाकर उनके शरीर में बैक्टीरिया जा सकते हैं जो उसके ब्रेन के टिशू को भी खा सकते हैं। हालांकि, अब कार्लोस धीरे-धीरे कीड़ों की संख्या को कम कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भी अपनी सेहत की चिंता है।

आप और भाजपा में नहीं थमी तकरार

» दिल्ली, हरियाणा से लेकर पंजाब तक मची रार

» पंजाब सरकार ने पहले ही इसकी जांच करवाई

नेता प्रतिपक्ष आतिशी व विस अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली, हरियाणा से लेकर पंजाब तक आप और भाजपा में तकरार कम नहीं हो रही है। कहीं हरियाणा के मंत्री पजांब के सीएम को मीडिया को लेकर घेर रहें हैं तो कही सिख गुरुओं को लेकर विधान सभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के निशाने पर नेता प्रतिपक्ष आतिशी आ गईं हैं। गुप्ता ने कहा कि सदन की आधिकारिक रिकॉर्डिंग को विपक्ष की मांग पर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी यानी एफएसएल को भेजा गया था और एफएसए की रिपोर्ट आ गई है और इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ऑडियो-वीडियो एक ही है और इसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की गई है। वहीं दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने विशेष सत्र बुलाने के संकेत दिए हैं।

विशेषाधिकार समिति ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी को नोटिस भेजा है। यह मामला दिल्ली विधानसभा में सिख गुरुओं पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के जुड़ा है। दिल्ली विधानसभा के विवादित वीडियो को लेकर दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने बड़ा दावा किया है। विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि वीडियो की सच्चाई पर फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी यानी एफएलएल की रिपोर्ट में वीडियो को ओरिजिनल और बिना किसी छेड़छाड़ के बताया गया है। वीडियो के विजुअल्स और ऑडियो के साथ किसी भी तरह की छेड़छाड़ या डॉक्टरिंग नहीं की गई है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा, जिस सदन की वीडियो के ऊपर प्रश्न उठाए गए, विपक्ष की मांग पर उस सदन की रिकॉर्डिंग को फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी यानी एफएलएल को भेजा गया था और एफएलएल की रिपोर्ट आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो ऑडियो-वीडियो है वह एक ही है। उसमें किसी प्रकार की छेड़खानी नहीं की गई है। सदस्यों के समक्ष जब मैंने उस दिन दोनों पक्षों को अपने कमरे में बुलाया था। वहां पर विपक्ष की तरफ से यह मांग की गई कि इसकी फॉरेंसिक जांच होनी चाहिए। सत्ता रूढ़ दल ने भी इस मांग पर अपनी मुहर लगा दी थी। उन्होंने आगे कहा, जब जांच के लिए इसे भेजा गया तो अचानक 9 तारीख को ये खबर आती है कि पंजाब सरकार ने पहले ही इसकी जांच करवा ली, रिपोर्ट भी आ गई और एफआईआर भी दर्ज कर ली गई। यह जो नाटकीय घटनाक्र म रहा है, आज उसका दूध का दूध-पानी का पानी हो गया है। उन्होंने कहा कि यह विषय विधानसभा की गरिमा, लोकतांत्रिक जवाबदेही और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है, इसलिए इससे संबंधित सभी निर्णय केवल सदन में ही लिए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने एफएसएल के निदेशक को औपचारिक नोटिस जारी कर रिपोर्ट के आधार सहित विस्तृत जवाब मांगा है। एफएसएल को 22 जनवरी तक जवाब देने को कहा गया है।

विस के वीडियो में कोई छेड़छाड़ नहीं: विजेंद्र

एसजीपीसी ने आतिशी के खिलाफ प्रस्ताव किया पारित

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने हाल ही में दिल्ली विधानसभा के समाप्त हुए शीतकालीन सत्र में आप की नेता आतिशी द्वारा सिख गुरुओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी की एक प्रस्ताव पारित कर निंदा की है। अधिकारियों ने बताया कि एसजीपीसी की कार्यसमिति की बैठक की अध्यक्षता इसके अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने की। इस बैठक में आतिशी द्वारा कथित तौर पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू करने का निर्णय लिया गया। धामी ने कहा, दिल्ली विधानसभा में एक निर्वाचित प्रतिनिधि द्वारा सिख गुरुओं के बारे में अपमाननजनक का प्रयोग सिख भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। आम आदमी पार्टी के नेता के इस निंदनीय रवैये के लिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आप सरकार व सीएम मान पर भड़के विज

भाजपा के वरिष्ठ नेता विज ने आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार बिना किसी आधार के पंजाब केसरी समूह और उससे जुड़े संस्थानों पर हमला कर रही है। विज ने कहा कि राज्य सरकार की कार्रवाई से संकेत मिलता है कि पंजाब में आपातकाल लगा दिया गया है। अखबार समूह ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री मान को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि उनके दफ्तर में छापे मारकर उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने मीडिया समूह को डराने-धमकाने के प्रयासों को बेहद चिंताजनक बताया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम में अय्यर की वापसी

» वाशिंगटन सुंदर की जगह रवि बिश्नोई को मिली जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की टी20 टीम में वापसी हो गई है। बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जल्द शुरू होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल किया। उन्हें तिलक वर्मा की जगह शुरुआती तीन मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। इसके अलावा बोर्ड ने बताया कि वाशिंगटन सुंदर टी20 टीम से भी बाहर हो गए हैं। उनकी जगह रवि बिश्नोई को शामिल किया गया है। हाल ही में बीसीसीआई ने स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा के स्वास्थ्य को लेकर जानकारी दी थी और बताया था कि उनकी राजकोट में सर्जरी हुई, जिसके बाद वह तीन टी20 मैचों के लिए टीम से बाहर हो गए।

अय्यर ने भारत के लिए पिछला टी20 मुकाबला 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। उसके बाद से वह टी20 टीम का हिस्सा नहीं थे। फिलहाल वह न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में धमाल मचा रहे हैं। भारतीय ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टी20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। दरअसल, 11 जनवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे मुकाबले के दौरान गेंदबाजी करते समय सुंदर को निचली पसलियों के पास अचानक दर्द महसूस हुआ था। जांच में उनके साइड स्ट्रेन की पुष्टि हुई है। चोट को देखते हुए उन्हें कुछ दिनों के आराम की सलाह दी गई है। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत सात फरवरी से होगी। इससे पहले भारत पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा, जिसकी शुरुआत 21 जनवरी से होगी। पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल: आरसीबी ने गुजरात को 32 रन से हराया

नवी मुंबई। आरसीबी ने गुजरात जाएंट्स को 32 रन से हरा दिया। महिला प्रीमियर लीग का नौवां मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में आरसीबी और गुजरात के बीच खेला गया। इस मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राधा यादव की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 182 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 18.5 ओवर में 150 रन ही बना सकी और सिमट गई। लगातार तीन जीत के साथ आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष पर बरकार है। वहीं, गुजरात तीसरे पायदान पर है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। ग्रेस हैरिस ने पहले ही ओवर में रेणुका सिंह पर चार चौके जड़ते हुए 23 रन बटोर लिए। एक समय आरसीबी का स्कोर 6 ओवर में 43/4 हो चुका था, लेकिन इसके बाद राधा यादव और ऋचा घोष ने पारी को संभाल लिया। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की अहम साझेदारी की। राधा यादव ने 47 गेंदों पर 66 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं ऋचा घोष ने 28 गेंदों पर 44 रन बनाकर तेजी बनाए रखी।

'स्वच्छ लखनऊ' सिर्फ स्लोगन में सिमटा

» वेतन कटौती का आदेश बस खाली खानापूर्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के सरकारी दावे एक बार फिर ज़मीन पर दम तोड़ते नज़र आए। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री व जनपद प्रभारी सुरेश खन्ना और महापौर सुषमा खर्कवाल के जोन-1 निरीक्षण ने यह साफ कर दिया कि मंत्री के हर दौरे का नतीजा सिर्फ़ वेतन रोकना या काटना बनकर रह गया है, जबकि गंदगी जस की तस बनी हुई है। सवाल यह है कि सालों से निरीक्षण करने वाले मंत्री को आज तक किसी भी वार्ड में स्थायी सफ़ाई क्यों नहीं दिखी, जबकि पूरा नगर निगम अमला साथ-साथ चलता है? निरीक्षण की शुरुआत विक्र मादित्य-महात्मा गांधी वार्ड (योजना भवन, डायमंड डेयरी, उदयगंज) से हुई, जहां नालियों की बदहाली और सड़कों पर पसरी गंदगी ने 'स्वच्छ लखनऊ' के दावों की पोल खोल दी।

मंत्री का दौरा हरबार, नहीं हटता गंदगी का अंबार

मंत्री और महापौर ने नाराज़गी जताई, अधिकारियों को फटकार लगी लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नज़ारा रोज़ का है, फर्क सिर्फ़ इतना है कि आज कैमरे थे। डायमंड डेयरी क्षेत्र में सड़क पर फैले मलबे पर जुर्माने के निर्देश दिए गए। पास के पंपिंग स्टेशन के बगल में सालों से खाली पड़े प्लॉट में जमा मलबा भी निरीक्षण में सामने आया। सवाल यह है कि इतने वर्षों तक अफसरों की नज़र क्यों नहीं पड़ी, और हर बार कार्रवाई सिर्फ़ दौरे के दिन ही क्यों याद आती है? बाबू बनारसी दास वार्ड में हैदर कैनाल की रिटेनिंग वॉल की जर्जर हालत ने संभावित खतरे की ओर इशारा किया। मरम्मत के निर्देश तो दे दिए गए, लेकिन स्थानीय लोग पूछ रहे हैं- क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही काम होगा?

पटना नीट छात्रा की मौत मामले की नए सिरे से निष्पक्ष जांच हो : पीके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना में नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले ने अब राजनीतिक और सामाजिक मोड़ ले लिया है। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन से नए सिरे से और निष्पक्ष जांच की मांग की है। बढ़ते जन आक्रोश को देखते हुए बिहार पुलिस ने मामले की तह तक जाने के लिए विशेष जांच टीम का गठन कर दिया है।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने पटना में नीट की छात्रा की मौत के मामले में कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले की स्थिति बदल गयी है और पुलिस को नए सिरे से निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। इस बीच, शाम को डीजीपी ने इस मामले में जांच के लिए एसआईटी के गठन का आदेश दिया।

एम्स के बाहर मरीजों व तीमारदारों की बदहाल स्थिति पर नाराजगी

» दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए निर्देश- व्यवस्थाओं को बेहतर करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एम्स के बाहर रहने वाले बाहर से आए मरीजों और उनके तीमारदारों की दयनीय जीवन स्थितियों पर गंभीर संज्ञान लेते हुए बड़ा आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने अस्पताल के आसपास आश्रय, स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए तत्काल संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए।

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने कहा कि भारत एक कल्याणकारी राज्य है और संविधान के तहत गंभीर रूप से बीमार व कमजोर लोगों को सुरक्षित और गरिमापूर्ण आश्रय देना राज्य का कर्तव्य है। कोर्ट ने अधिवक्ता सिमरन चौधरी और शांभवी सिंह द्वारा हस्तक्षेपकर्ता दुष्यंत सेजवाल की ओर से दायर याचिका पर आदेश दिया। न्यायालय ने 3000 बेड वाले विश्राम सदन के निर्माण कार्य को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि इस परियोजना में शामिल सभी एजेंसियां एम्स प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग करेंगी।

जहरीले पानी से हुई मौतों की जिम्मेदार है भाजपा : राहुल गांधी

पीड़ितों से मिले कांग्रेस सांसद, बोले- न्याय के लिए लड़ेंगे

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने इंदौर के बॉम्बे अस्पताल का भी दौरा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के बाद कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भागीरथपुरा में प्रभावित परिवारों और अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात की। इस दौरे का उद्देश्य जमीनी हकीकत को समझना और पीड़ितों के प्रति एकजुटता प्रकट करना था, जबकि कांग्रेस ने इस संकट के लिए लंबे समय से सत्ता में रही भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इंदौर के बॉम्बे अस्पताल का भी दौरा किया और दूषित पानी से पीड़ित मरीजों और उनके परिवारों से मुलाकात की, जिनका वहां इलाज चल रहा है। कांग्रेस नेता का यह दौरा प्रभावित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करने और जमीनी हालात को समझने के उद्देश्य से किया गया है। गांधी ने दूषित पानी की घटना से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए भागीरथपुरा इलाके का भी दौरा किया। कांग्रेस ने एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी इंदौर पहुंच गए हैं। यहां वे दूषित पानी से बीमार हुए लोगों और भागीरथपुरा इलाके के प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे।

क्या यही है सरकार का अर्बन मॉडल

भागीरथपुरा में पीड़ितों से मिलने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार अबर्न मॉडल की बात करती है लेकिन पानी पीने से मौतें हो रही है। क्या सरकार का अबर्न मॉडल यही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सबसे पहले गीता बाई के परिवार से मुलाकात की। इसके बाद वे पैटल ही जीवनलाल के घर पहुंचे। वहां से वे सभी पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए संस्कार उद्यान में पहुंचे। रहवासियों ने राहुल गांधी को बताया कि अभी भी क्षेत्र में कई जगहों पर गंदा पानी आ रहा है। वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जगह-जगह लोग राहुल गांधी को आवाज लगाकर उन्हें क्षेत्र की परेशानियां बताने की कोशिश करते रहे थे।

मोदी के नए भारत में लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत में, जहां लोगों को पीने का पानी तक उपलब्ध नहीं कराया जा सकता, वहां पूरे देश में सवाल उठने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस अवसर पर कांग्रेस इंदौर में स्वच्छ हवा और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने के लिए न्याय और समाधान की मांग करेगी। इंदौर के भागीरथपुरा में पानी दूषित होने की घटना ने व्यापक निंदा को जन्म दिया है, क्योंकि इसमें कई लोगों की जान चली गई और कई परिवार प्रभावित हुए। इससे पहले, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और सभी प्रभावित लोगों के लिए मुफ्त इलाज की घोषणा की थी।

मध्य प्रदेश सरकार दर्द नहीं समझ सकती : जीतू पटवारी

मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करने का आरोप

लगाया। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा, जिसने मध्य प्रदेश पर 20 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया है, अपनों को खोने वालों का दर्द नहीं समझ सकती, तो राहुल गांधी समझेंगे। पटवारी ने कहा कि इंदौर में जहरीले पानी से 24-25 लोगों की मौत हो गई है। मध्य प्रदेश सरकार, मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल और हमारे मुख्यमंत्री - ये सभी आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति में लगे हुए हैं। राज्य में 20 वर्षों से अधिक समय से भाजपा का शासन है, इंदौर शहर में लगभग 25 वर्षों से भाजपा के नेतृत्व वाली नगर निगम है और 30 वर्षों से अधिक समय से भाजपा सांसद इंदौर निर्वाचन क्षेत्र से शासन कर रही है। लेकिन शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने में विफल रहने के बावजूद यहां लोगों की जान गई। अगर ये लोग (भाजपा) उस दर्द को नहीं समझ सकते, तो राहुल गांधी समझेंगे।

जयराम रमेश ने पीएम पर किया कटाक्ष, कहा-

विश्वगुरु की आत्मप्रशंसापूर्ण कूटनीति को एक और झटका

» अमेरिका-पाक के संयुक्त सैन्य अभ्यास पर भड़की कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को अमेरिकी और पाकिस्तानी सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास किए जाने के बाद केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने भारत की विदेश नीति की विफलता को उजागर किया है। पाकिस्तान और अमेरिकी सेनाओं ने इंस्पायर्ड गैम्बिट-2026 नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया था।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा,स्वयं को विश्वगुरु कहने वाले भारत की आत्मप्रशंसापूर्ण कूटनीति को एक और झटका देते हुए अमेरिकी केंद्रीय कमान ने अभी-अभी एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों ने इंस्पायर्ड गैम्बिट नामक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा कर लिया है। कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट में लिखा, जून 2025 में तत्कालीन अमेरिकी केंद्रीय कमान प्रमुख जनरल माइकल कुनिला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को एक असाधारण सहयोगी बताया था।

नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर। बीजापुर जिले के नेशनल पार्क इलाके में एक बड़ी मुठभेड़ चल रही। इस मुठभेड़ में दो नक्सलियों के मारे जाने व मौके से स्वचालित हथियार बरामद होने की खबर है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई थी।

बीजापुर में, दो नक्सली मारे गए

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जिले के नेशनल पार्क के घने जंगलों में आज सुबह से सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच रुक रुक कर मुठभेड़ जारी है। इस इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर ऑपरेशन शुरु किया था। सुरक्षाबलो की संयुक्त टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी बीच जवानों और नक्सलियों में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभड़ में दो नक्सलियों के मारे जाने की खबर आ रही है। वहीं, मौके से दो एके 47 रायफल के बरामद होने की खबर है। वहीं, दूसरी ओर बताया जा रहा है कि जिस इलाके में यह मुठभेड़ चल रही है, उस इलाके में कुछ बड़े नक्सली लीडरों की मौजूदगी की सूचना है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ में नक्सलियों की नेशनल पार्क एरिया कमेटी का चीफ दिलिप बेड़जा मारा गया है। दिलिप बेड़जा के साथ एक अन्य नक्सली का शव बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल पर नक्सलियों का बड़ा चेहरा पापाराव की मौजूदगी की भी खबर है। पूरे इलाको को सुरक्षाबलों ने घेर रहा है, ऑपरेशन अभी जारी है और रुक-रुककर फायरिंग हो रही है।

बंगाल में सड़क, सदन से लेकर कोर्ट तक सियासी बवाल

टीएमसी के बाद अब भाजपा कोर्ट की चौखट पर, सीएम ममता के खिलाफ मानहानि का केस

» कोयला घोटाले में नाम घसीटे जाने पर भड़के बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल 2026 के विधानसभा चुनावों की ओर जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है। वहां सड़क, सदन से लेकर कोर्ट तक सियासी बवाल व सवाल होने लगे हैं। कभी आईपैक के मामले में टीएमसी ने बवंडर मचाया अब भाजपा कोयला घोटाले को लेकर कोर्ट की चौखट पर चली गई है।

यह कानूनी टकराव एक हफ्ते के भारी तनाव के बाद हुआ है, जिसमें पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आईपैक के ऑफिस पर ईडी की रेड भी शामिल है, जिसका मुख्यमंत्री ने कड़ा विरोध किया था। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक और कानूनी लड़ाई में एक बड़े मोड़ के तहत,भाजपा नेता सुवेंदु ने दिवानी न्यायाधीश, सीनियर डिवीजन की अदालत में मुकदमा दायर किया।

सीएम पर किया 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा

विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ आधिकारिक तौर पर 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। यह मुकदमा 16 जनवरी, 2026 को कोलकाता की अलीपुर कोर्ट में दायर किया गया है। यह कानूनी कार्रवाई ममता बनर्जी द्वारा 8 और 9 जनवरी, 2026 को दिए गए सार्वजनिक बयानों के कारण हुई है। इन भाषणों के दौरान, मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर सुवेंदु अधिकारी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक अवैध कोयला तस्करी रैकेट से जोड़ा था।

ममता बनर्जी ने नहीं दिया था नोटिस का जवाब

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अधिकारी ने कहा कि बनर्जी को भेजे गए मानहानि नोटिस का जवाब न मिलने के बाद उन्होंने यहां अलीपुर में दिवानी न्यायाधीश, सीनियर डिवीजन की अदालत में मुकदमा दायर किया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ममता बनर्जी, मैं अपने वचनों का सम्मान करता हूं जबकि आप मुद्दों और लोगों को भ्रमित करती हैं। कथित कोयला घोटाले में मेरी संलिप्तता को लेकर आपके घृणित और मनगढ़ंत आरोपों के संबंध में भेजे गए मानहानि नोटिस पर आपकी भ्रामक चुप्पी आपको इस स्थिति से उबरने में मदद नहीं करेगी।'' अधिकारी ने उनके द्वारा दायर वाद के पंजीकरण की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, मैंने आपकी धोखेबाज़ साज़िश को लेकर आपको अदालत तक घसीटने का अपना वादा निभाया और आज आपके खिलाफ मुकदमा दायर कर दिया।

कोहरे का कहर: नेशनल हाईवे-9 पर टकराई 18 गाड़ियां, 10 लोग घायल

» पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से लेकर बंठिंडा तक धुंध बनी जानलेवा, कई की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। घना कोहरा अब जानलेवा बनता जा रहा है। पंजाब में पांच जबकि यूपी में तीन लोगों की मौत इसकी वजह से हो गई। इसके अलावा जगह-जगह गाड़ियां आपस में टकरा रहीं हैं। जिससे कई लोग घायल हो गए।

उत्तर प्रदेश के अमरोहा में शनिवार सुबह घने कोहरे का कहर देखने को मिला। जब जीरो विजिबिलिटी के चलते नेशनल हाईवे

9 पर एक के बाद एक 18 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में दस से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद आसपास के इलाके में कोहराम मच गया। आनन फ़ानन में सभी घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये हादसा अमरोहा के डिडौली कोतवाली इलाके में हुआ। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस की गाड़ियां मौके पर पहुंची. पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के ज़रिए अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज किया जा है, इस हादसे में दस से ज्यादा लोगों को चोटें आई हैं।

पंजाब के बठिंडा में डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार, हादसे में पांच लोगों की मौत

बठिंडा जिले में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में गुजरात पुलिस की महिला पुलिस कर्मी अमिता सहित पांच युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब सभी एक फॉर्च्यूनर गाड़ी में सवार होकर बठिंडा से गुजरात की ओर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, गुजरात पुलिस में तैनात महिला पुलिस कर्मी अमिता अपने चार दोस्तों- अंकुश, भरत, चेतन और सतीश के साथ फॉर्च्यूनर गाड़ी में यात्रा कर रही थीं। जैसे ही वाहन गांव गुरथड़ी के समीप मैन हाईवे पर पहुंचा, गाड़ी तेज रफ्तार होने के कारण अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और पांचों की मौके पर ही मौत हो गई।

सुल्तानपुर में ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, तीन मजदूरों की जान गई

यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर देर रात करीब एक बजे हुए एक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना किमी 153.500 के पास घने कोहरे के कारण हुई। सभी मजदूर रायबरेली से आजमगढ़ जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, पिकअप चालक वीरू रायबरेली से 14 मजदूरों को लेकर आजमगढ़ जा रहा था। रास्ते में किसी अज्ञात ट्रक ने पिकअप को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक गाजीपुर की ओर फरार हो गया और पिकअप गाड़ी से टकराकर पलट गई। इस दुर्घटना में अजय कुमार (30, निवासी गंभीरपुर, रायबरेली) और एक किसन पाल (30) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जिन्हें दोस्तपुर सीएचसी मृत अवस्था में लाया गया। रजोली (35, निवासी गंभीरपुर, रायबरेली) ने अंबेडकर नगर जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा